संवैधानिक लेखा STATUTORY AUDITORS

सी.आर. सागदेव एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
नागपुर.
C.R. Sagdeo & Co.
Chartered Accountants
Nagpur

वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
नई दिल्ली
Wahi & Gupta
Chartered Accountants
New Delhi

शाह बाहेती चांडक एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
नागपुर
Shah Baheti Chandak & Co.
Chartered Accountants
Nagpur

वी.सी. गौतम एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
नई दिल्ली
V.C. Gautam & Co.
Chartered Accountants
New Delhi

बी. छावछारिया एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
कोलकाता
B. Chhawchharia & Co.
Chartered Accountants
Kolkata

अनुक्रमणिका INDEX

क्र. / No.	विषय सूची	CONTENTS	पृष्ठ क्र. / Page No.
1	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य	Chairman & Managing Director's Statement	2
2	सूचना	Notice	4
3	प्रगति – एक दृष्टि में	Progress at a Glance	6
4	निदेशकों का रिपोर्ट	Directors' Report	7
	प्रबंध चर्चा और विश्लेषण	Management Discussions and Analysis	7
	बैंक का कार्य निष्पादन	Performance of the Bank	9
	संगठन और समर्थन पद्धति	Organisation and Support Systems	13
	सामाजिक बैंकिंग	Social Banking	21
	बैंक की महत्वपूर्ण योजनाएं/परियोजनाएं	Important schemes / projects of the Bank	21
	सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम और प्रायोजित संस्थान	Subsidiaries, Joint Ventures and Sponsored Institutions	24
	राजभाषा का कार्यान्वयन	Official Language Implementation	24
	निदेशक मंडल में परिवर्तन	Changes in the Board of Directors	25
5.	कॉर्पोरेट गवर्नन्स पर टिप्पणी	Note on Corporate Governance	26
6	तुलनपत्र	Balance Sheet	40
7	लाभ हानि खाता	Profit and Loss Account	41
8	महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	Significant Accounting Policies	50
9	लेखों पर टिप्पणियाँ	Notes on Accounts	55
10	नकदी प्रवाह वितरण	Cash Flow Statement	94
11	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report	96
12	बैंक के समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statement of the Bank	98
13	इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा सुविधा	Electronic Clearing Service (ECS form)	123
14	प्रॉक्सी फार्म	Proxy Form	125
15	उपस्थिति पर्ची	Attendance Slip	127

Contents.indd 1 6/13/2009 12:29:15 PM
www.reportjunction.com

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

12 जून, 2009

प्रिय शेयरधारकों,

दिनांक 31.3.2009 को समाप्त वर्ष की बैंक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है.

वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण बाजार की अस्थिर स्थिति के बावजूद बैंक ने व्यवसाय में सतत वृद्धि दर्ज की. अपने अमृत महोत्सवी वर्ष में मार्च 2010 तक रु. 1,10,000 करोड़ का व्यावसायिक स्तर प्राप्त करने की अपनी रणनीति को जारी रखा. वर्ष के दौरान ग्राहकों के संपूर्ण समर्थन एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से बैंक ने व्यवसाय के अधिकांश क्षेत्रों में प्रगति दर्ज की. कार्य की मुख्य-मुख्य बातें निम्नानुसार है:

1. कुल व्यवसाय 21.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए दिनांक 31.3.2009 के रु. 71,556 करोड़ से बढकर 31.3.2008 को रु. 87,072 करोड़ हो गया.
2. कुल जमाराशियों में चालू वर्ष के दौरान रु. 10,497 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई. कुल जमाराशियां दिनांक 31.3.2008 को रु. 41,758 करोड़ के मुकाबले दिनांक 31.03.2009 को रु. 52,255 करोड़ थीं. कम लागत वाली जमाराशियों का हिस्सा (चालू व बचत जमाराशियां) 35.69% था.
3. सकल अग्रिमों में 16.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई जो 31.3.2008 को रु.29,798 करोड़ से बढकर 31.3.2009 को रु. 34,817 करोड़ हो गए.
4. बैंक की कुल आय वर्ष 2008-09 हेतु रु. 4792 करोड़ थी जिसमें पिछले वर्ष के मुकाबले 25.41 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई जिससे मूल गतिविधियों में मजबूत वृद्धि परिलक्षित होती है.
5. पिछले वर्ष के मुकाबले 14.24 प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हुए निवल लाभ रु. 375.16 करोड़ था.
6. आस्ति गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार हुआ. दिनांक 31.3.2009 को सकल अनर्जक आस्तियां दिनांक 31.3.2008 के 2.57 प्रतिशत से घटकर 2.29 प्रतिशत रह गई. निवल अनर्जक आस्तियां भी 31.3.2008 के 0.87 प्रतिशत से घटकर 0.79 प्रतिशत रह गई.
7. दिनांक 31.3.2009 को प्रति शेयर बही-मूल्य (पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षिति छोड़कर) सुधर कर रु. 39.74 हो गया.
8. बैसल II मानदंडों के अन्तर्गत पूंजी पर्याप्तता अनुपात 9 प्रतिशत के न्यूनतम मानदंड की तुलना में 12.05 प्रतिशत रहा. टायर I पूंजी रु. 267.52 करोड़ की बढोत्तरी के साथ रु. 1974.31 करोड़ हो गई जो जोखिम भारित आस्तियों का 6.11 प्रतिशत हैं.
9. शाखा संख्या को 1421 तक ले जाते हुए छियालीस नई शाखायें खोली गईं जिनमें 3 विस्तारित कक्षों का कोटि-उन्नयन शामिल है. वर्ष के दौरान 123 शाखायें सीबीएस के अन्तर्गत शामिल की गई जिसके साथ सीबीएस में आने वाली कुल शाखाओं की संख्या 773 हो गई जो 31.03.2009 को बैंक के कुल कारोबार का 88 प्रतिशत कारोबार करती हैं.
10. प्रति कर्मचारी व्यवसाय दिनांक 31.03.2008 के रु. 5.27 करोड़ से बढकर 31.03.2009 को रु. 6.39 करोड़ हो गया.

CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

12 June, 2009

Dear Shareholders,

I am very happy to present the Annual Report of the Bank together with audited financial statements for the year ended 31.3.2009.

The Bank exhibited a consistent growth in business, inspite of volatile market conditions owing to Global Financial Meltdown. The Bank continued its growth strategy to achieve the business level of Rs. 1,10,000 crore by March 2010, being the Platinum Jubilee Year of the Bank. The Bank has recorded progress in most of the business parameters during the year with your whole hearted support, patronage of customers and active participation of all the staff members. The highlights of the performance are as under:

1. Total business increased to Rs. 87,072 crore as on 31.3.2009 from Rs. 71,556 crore as on 31.3.2008 thereby recording a growth of 21.68 per cent.
2. The Total Deposits showed a rise of Rs. 10,497 crore during the current year .As on 31.03.2009, total deposit stood at Rs. 52,255 crore as against Rs. 41,758 crore as on 31.3.2008. The share of low cost deposits (current and saving deposits) was 35.69 per cent.
3. Gross advances registered a growth of 16.84 per cent, from Rs. 29,798 crore as on 31.3.2008 to Rs. 34,817 crore as on 31.3.2009. The share of low cost deposits (current and saving deposits) was 42.15 per cent.
4. Total income was Rs. 4792 crore for the year 2008-09 showing a growth of 25.41 per cent over the previous year reflecting a robust growth in the core activities.
5. Net profit was Rs. 375.16 crore for the year showing a rise of 14.24 per cent over the previous year.
6. Asset quality has improved substantially. As on 31.3.2009, gross NPAs declined to 2.29 per cent against 2.57 per cent as on 31.3.2008. Net NPAs also declined to 0.79 per cent as on 31.3.2009 from 0.87 per cent as on 31.3.2008.
7. Book value per share (excluding revaluation reserve) improved to Rs. 39.74 as on 31.03.09
8. Capital adequacy ratio under Basel II norms stood at 12.05 per cent as against the minimum stipulated norm of 9 per cent. Tier I capital increased by Rs. 267.52 crore and stood at Rs. 1974.31 crore forming 6.11 per cent of risk weighted assets.
9. Forty six new branches were opened including upgradation of three extension counters, thus, taking the branch network to 1421. During the year, 123 branches were rolled out under Core Banking Solution (CBS) taking total number to 773 covering 88 per cent of the Bank's total business as on 31.03.2009.
10. Per employee business increased to Rs. 6.39 crore for the year as on 31.03.2009 as against Rs. 5.27 crore as on 31.03.2008.

Notice.indd 2 6/13/2009 12:48:03 PM
www.reportjunction.com

11. दिनांक 31.03.09 को बैंक का एटीएम नेटवर्क 345 था. बैंक ने नैशनल फायनांशियल स्विच और एमआईटीआई नेटवर्क के साथ सहयोगी व्यवस्था जारी रखी ताकि हमारे कार्ड-धारक विसा कनेक्टीविटी के अलावा अन्य सदस्यों के एटीएम से व्यवहार कर सकें.

12. ऑनलाईन व ऑफलाईन अनुरोध प्रसंस्करण तथा प्रत्यक्ष करों की ई-भुगतान की सुविधा सहित इंटरनेट बैंकिंग/फोन बैंकिंग व एसएमएस बैंकिंग सफलतापूर्वक शुरु की गई.

13. बैंक ने सामाजिक बैंकिंग के अन्तर्गत सभी उधारदान कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. बैंक ने भारत सरकार की कृषि ऋण छूट व ऋण राहत योजना 2008 का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया. बैंक ने महाराष्ट्र हेतु राज्य स्तरीय बैंकर समिति के संयोजन तथा महाराष्ट्र के सभी 6 जिलों के अग्रणी बैंक दायित्वों का निर्वाह प्रभावी ढंग से किया.

14. एक जिम्मेदार और सजग निगमित नागरिक के रूप में बैंक ने नागरिकों के विभिन्न प्रयासों, संस्थानों, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में वित्तीय और गैर-वित्तीय समर्थन दिया है.

कार्य-परिणामों का अनुकूल प्रभाव लाभप्रदत्ता के सभी क्षेत्रों पर पड़ा. आपके निदेशकों ने वर्ष 2008-09 हेतु 15 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है और आपसे अनुरोध है कि इसका अनुमोदन करें.

पहले की भांति आपसे समर्थन व प्रश्रय की अपेक्षा है.

शुभकामनाओं सहित,

आपका

अलेन पिरेरा

(अलेन सी.ए.पिरेरा)

11. As on 31.03.09, the ATM network of the Bank stood to 345. The Bank continued tie up with National financial Switch (NFS) and MITR networks to enable our cardholders to access ATMs of other members in addition to VISA connectivity.

12. Internet Banking / Phone Banking and SMS Banking with online and offline request processing and e-payment of direct taxes was successfully implemented.

13. The Bank actively participated in all lending programmes under social banking. It has successfully implemented Agricultural Debt Waiver & Debt Relief Scheme 2008 of the Government of India. The Bank effectively handled the its role of Convener, State Level Bankers' Committee for Maharashtra and lead bank responsibility in all the six districts of Maharashtra.

14. As a responsible and responsive corporate citizen, the Bank has extended financial as well as non-financial support to various initiatives of citizens, Institutions, Governmental as well as non-governmental organizations in the fields of education, health, art and culture, environment protection and socio-economic development.

The working results have impacted all the profitability parameters favourably Your Directors have recommended a dividend of 15 per cent for the year 2008-09 and I request you to approve the same.

I solicit your support and patronage as hitherto,

With warm regards,

Yours sincerely,

(Allen C.A. Pereira)

Report Junction.com

Notice.indd 3 6/13/2009 12:48:03 PM
www.reportjunction.com

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

प्रधान कार्यालय : 'लोकमंगल', 1501, शिवाजीनगर, पुणे-411 005

नोटिस

एतद्द्वारा नोटिस दिया जाता है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयरधारकों की छठवीं वार्षिकसाधारण आम सभा बुधवार, दिनांक 15 जुलाई, 2009 को सुबह 10.00 बजे, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, आप्पासाहेब जोग सभागृह, लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे - 411 005 में निम्नलिखित कार्य संव्यवहार संपन्न करने हेतु होगी.

1. 31 मार्च, 2009 के तुलनपत्र तथा 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि खाते पर चर्चा करना, उसे अनुमोदित व स्वीकार्य करना और, बैंक के लेखों और लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान बैंक की गतिविधियों तथा कार्यनिष्पादन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर चर्चा करना.
2. 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष हेतु लाभांश घोषित करना.

अलेन पिरेरा

स्थान : पुणे
दिनांक : 14 मई, 2009

(अलेन सी.ए. पिरेरा)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

बैठक में उपस्थित रहकर वोट डालने के पात्र शेयरधारकों को बैठक में भाग लेने और वोट डालने के लिए अपने स्थान पर प्रॉक्सी की नियुक्ति करने का अधिकार है. ऐसा प्रॉक्सी व्यक्ति बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है. प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर प्रॉक्सी प्रभावित करने के लिए प्रॉक्सी फार्म साधारण वार्षिक आम सभा की दिनांक से चार दिन पूर्व अर्थात शुक्रवार, दिनांक 10 जुलाई, 2009 के लिए निर्धारित कार्य के घंटे समाप्त होने के पूर्व मिल जाना चाहिए.

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति

कोई भी व्यक्ति बैंक के शेयरधारकों की किसी भी बैठक में तब तक भाग लेने के लिए पात्र नहीं हो सकता या वोट नहीं दे सकता जब तक कि उसे किसी कंपनी या निगम निकाय जो बैंक के शेयरधारक हो, के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करते हुए पारित संकल्प की प्रति, जो कि उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित और अधिप्रमाणित सत्यप्रति है जिसमें प्रतिनिधि की नियुक्ति का संकल्प पारित है, बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में बैठक की नियत तिथि से चार दिन पूर्व अर्थात शुक्रवार, 10 जुलाई, 2009 को या उससे पहले कार्यालय समय की समाप्ति तक या उससे पूर्व जमा नहीं की जाती.

3. उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों / प्रॉक्सीधारकों / प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र में दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर यह पर्ची आम सभा के स्थान पर देने की कृपा करें. प्रॉक्सी / शेयरधारकों के प्राधिकृत प्रतिनिधि यथाप्रसंग उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र पर उल्लेख करें कि ''प्रॉक्सी'' या ''प्रतिनिधि''.

4. बहियों का बंद होना

बैंक के शेयरधारकों का रजिस्टर तथा शेयर अंतरण रजिस्टर शनिवार 4 जुलाई, 2009 से बुधवार 15 जुलाई, 2009 (दोनों दिन मिलाकर) तक वार्षिक आम सभा और लाभांश भुगतान की पात्रता का निर्धारण करने के लिए बंद रहेंगे.

5. लाभांश का भुगतान

शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित लाभांश का भुगतान शेयरधारकों को भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले उन शेयरधारकों को किया जाएगा, जिनके नाम दिनांक 15 जुलाई, 2009 को शेयरधारकों के रजिस्टर में लिखे होंगे और डी-मेट प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों को डिपॉजिटरी द्वारा बैंक को उपलब्ध की गई दिनांक 3 जुलाई, 2009 की सूची के अनुसार लाभांश का भुगतान किया जाएगा और वार्षिक आम सभा की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर लाभांश वारंट डाक द्वारा भेज दिए जाएंगे.

6. अंतरण

अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र को अंतरण के लिए नीचे दिए गए पते पर रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को भेजा जाए.

7. लाभांश के लिए अधिदेश या इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा

लाभांश के भुगतान के संबंध में बैंक सभी शेयरधारकों को इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा उपलब्ध करता है, जिनके बैंक खाते निम्नलिखित में से किसी एक शहर में है :

आगरा, अहमदाबाद, अमृतसर, बडौदा, बेंगलूरू, भुवनेश्वर, भोपाल, चंडीगढ़ कोयम्बटूर, कोलकाता, चैन्नै, गुवाहाटी, ग्वालीयर, हैदराबाद, इन्दौर, जयपुर, जालंधर, जम्मू ,कानपुर, कोल्हापुर, लखनऊ, लुधियाना, मदुरै, मंगलौर मुंबई, नागपुर, नासिक, नई दिल्ली, पणजी, पटना, पुणे, राजकोट, सोलापुर, सूरत, तिरुअनन्तपुरम और विजयवाड़ा.

इलेक्ट्रानिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक शेयरधारक इस रिपोर्ट के साथ संलग्न प्रारूप में बैंक को अपने अधिदेश के साथ अपना प्राधिकार दे सकते हैं. वर्ष 2008-09 के लिए लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से करने के अनुरोध रजिस्ट्रार व अन्तरण एजेन्ट मेसर्स एमसीएस लि. को भी नीचे अनुच्छेद 8 में दिए गए पते पर दिनांक 3 जुलाई, 2009 से पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए.

इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारक कृपया नोट करें कि संबंधित डिपाजिटरीज द्वारा उपलब्ध किए गए उनके बैंक खातों के विवरण इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से लाभांश देने / लाभांश वारंट भेजने हेतु उपयोग में लाए जाएंगे. अपने बैंक खातों के विवरण में परिवर्तन कराने के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपनी डिपाजिटरी पार्टीसिपन्टस को बैंक खातों का पूर्ण विवरण देते हुए परिवर्तन करने का अनुरोध 3 जुलाई, 2009 को या उससे पूर्व करें.

8. पते में परिवर्तन

भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो निम्नलिखित पते पर शेयर अंतरण एजेंट और रजिस्ट्रार को भेजें :

एमसीएस लिमिटेड, (कक्ष : बैंक ऑफ महाराष्ट्र), आफिस क्रमांक 21/22, ग्राउण्ड फ्लोर, काशीराम जमनादास बिल्डिंग, 5, पी. डिमेलो रोड (घाडियाल गोडी), मस्जिद (पूर्व), मुंबई-400 009

फोन: (022) 2372 6253-56 फैक्स : (022) 2372 6252

डिमैट रूप से शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध हैं कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो सीधे अपने डिपाजिटरी पार्टीसिपन्टस को दें.

9. शेयरधारक / प्रॉक्सीधारक / प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति वार्षिक आम सभा में अपने साथ लाएं.

10. बैंक के खातों के संबंध में अधिक जानकारी के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में स्थित निवेशक सेवाएं विभाग को इस आशय का लिखित अनुरोध इस प्रकार भेजें कि वह वार्षिक आम सभा की दिनांक से एक सप्ताह पूर्व उन्हें मिल जाएं ताकि प्रबंधन सूचनाएं तैयार रख सकें. शेयरधारक नोट करें कि सूचनाएं / स्पष्टीकरण केवल वार्षिक आम सभा में ही उपलब्ध किए जाएंगे.

Notice.indd 4 6/13/2009 12:48:04 PM
www.reportjunction.com

BANK OF MAHARASHTRA

HEAD OFFICE : 'Lokmangal', 1501, Shivajinagar, Pune-411 005

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Sixth Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Maharashtra will be held on Wednesday, the 15th July, 2009 at 10.00 a.m. at Appasaheb Joag Auditorium, Bank of Maharashtra, Lokmangal, 1501, Shivajinagar, Pune 411 005 to transact the following business:

1. To discuss, approve and adopt the Balance Sheet as at 31st March, 2009 and the Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2009, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

2. To declare dividend for the year ended 31st March, 2009.

Place : Pune

Date : 14th May 2009

(Allen C.A. Pereira)

Chairman & Managing Director.

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not less than Four days before the date of the Annual General Meeting i.e. before the closure hours of Friday, the 10th July, 2009.

2. APPOINTMENT OF AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend to vote at the Annual General Meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him / her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Central Office of the Bank not less than Four days before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closure hours of Friday, the 10th July, 2009.

3. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry pass is annexed to this Report. Shareholders / Proxy holders / Authorised representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance slip-cum-entry pass at the venue. Proxy / Representative of a shareholder should state on Attendance slip – cum – Entry pass "Proxy" or "Representative" as the case may be.

4. BOOK CLOSURE

The Register of Shareholders and Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Saturday, the 4th July, 2009 to Wednesday, the 15th July, 2009 (both days inclusive) for the purpose of Annual General Meeting and for ascertaining the entitlement for payment of dividend.

5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend to shareholders as approved by the shareholders shall be paid to those shareholders whose names appear on the Register of Shareholders of the Bank as on 15th July, 2009 and in respect of shareholders holding their shares in dematerialised form as per the list provided to the Bank by the Depositories as on 3rd July, 2009 and the dividend warrants shall be mailed within 30 days from the date of Annual General Meeting.

6. TRANSFERS

Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Transfer Agent at the address given below for the transfer of shares of the Bank.

7. ELECTRONIC CLEARING SERVICE FACILITY (ECS)

With respect to payment of dividend, the Bank provides the facility of ECS to all shareholders of the Bank, having their bank accounts in any of the following cities:

Agra, Ahmedabad, Amritsar, Baroda, Bengaluru, Bhubaneshwar, Bhopal, Chandigarh, Coimbatore, Kolkata, Chennai, Guwahati, Gwalior, Hyderabad, Indore, Jaipur, Jallandhar, Jammu, Kanpur, Kolhapur, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mangalore, Mumbai, Nagpur, Nasik, New Delhi, Panaji, Patna, Pune, Rajkot, Solapur, Surat, Thiruvananthpuram, Vijayawada.

Shareholders holding their shares in physical form, who wish to avail ECS facility may authorise the Bank with their ECS mandate in the prescribed form annexed to this Report. The request for payment of dividend through ECS for the year 2008-09 should be lodged with Registrar & Transfer Agent of the Bank M/s. MCS Ltd. at the address given in para 8 below on or before 3rd July, 2009.

Shareholders holding shares in electronic form may please note that their bank account details and ECS mandate as recorded with the respective Depositories will be considered for sending dividend through ECS / dividend warrants. Shareholders who wish to change such bank account details are requested to advise their depository participants only about such change with complete details of Bank Account on or before 3rd July, 2009.

8. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders holding shares in physical form are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:

MCS Limited, (Unit: Bank of Maharashtra) Office No. 21/22, Ground Floor, Kashiram Jamnadas Bldg, 5, P. D'Mello Road, (Ghadiyal Godi), Masjid (E), Mumbai-400 009.

Tel: (022) 2372 6253-56 Fax: (022) 2372 6252

E Mail: mcspanvel@yahoo.co.in

Shareholders holding shares in electronic form are requested to intimate changes if any in their address directly to the respective depository participants.

9. Shareholders / Proxy holders / Representatives are requested to bring their copies of Annual Report to the Annual General Meeting.

10. Shareholders who wish to seek any information on the accounts are kindly requested to write to the Investor Services Department of the Bank at its Head Office, which should reach the Bank atleast one week before the date of the Annual General Meeting so as to enable the Management to keep the information ready. Shareholders may note that information / clarification shall be provided only at the Annual General Meeting.

Notice.indd 5 6/13/2009 12:48:04 PM
www.reportjunction.com

निदेशकों की रिपोर्ट 2008-09

निदेशक मंडल, 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, तुलन पत्र और लाभ तथा हानि खाते के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है.

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

1. बृहत् आर्थिक और मौद्रिक परिदृश्य

1.1 वैश्विक अर्थव्यवस्था - उथल-पुथल और संसार में हड़कंप

वैश्विक अर्थव्यवस्था और आर्थिक स्थिति वर्ष 2008-09 के दौरान अस्थिर रही. वर्ष 2007 में संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुआ सब-प्राइम मॉर्टगेज संकट लेहमन ब्रदर्स के दिवालिया होने के साथ सितंबर 2008 तक और गहरा हो गया. यद्यपि सब-प्राइम मॉर्टगेज क्षेत्र, संकट का प्रमुख कारण था फिर भी इसके लिए जिम्मेदार मूल कारण प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई गई कमजोर मौद्रिक नीतियों के फलस्वरूप बड़े पैमाने पर उत्पन्न वैश्विक असंतुलन का सतत आधार पर बने रहना था. सस्ती मुद्रा की उपलब्धता के परिणामस्वरूप ऋण अधिक मात्रा में लिया गया और संसाधनों का गलत आबंटन हुआ जिसके कारण इन अर्थव्यवस्थाओं के कतिपय क्षेत्रों में आस्ति गुब्बार पैदा हो गया. वित्तीय संकट ने वास्तविक विश्व अर्थव्यवस्था को द्वितीय विश्व युध्द के बाद सबसे गहरी मंदी में धकेल दिया.

संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में दशक के पूर्वार्ध के दौरान कम नाममात्र की ब्याज दरों ने उच्चतर आय के लिए आक्रमक खोज को प्रोत्साहित किया. परिणामस्वरूप उभरती बाजार अर्थ व्यवस्थाओं में विकसित विश्व से पूंजी का भारी जमाव होने लगा. सितंबर 2008 में संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य विकसित अर्थ व्यवस्थाओं में तरलता की कमी के साथ पूंजी प्रवाह में भारी प्रत्यावर्तन और उभरती बाजार अर्थ व्यवस्थाओं में घरेलू करेंसी में तरलता का संकट देखा गया था.

वैश्विक सहयोग और समन्वयन के माध्यम से इस वैश्विक संकट से निपटने की आवश्यकता को समझते हुए जी-20 देशों के नेताओं ने अप्रैल 2009 में संपन्न अपनी बैठक में वित्तीय बाजारों और संस्थानों में स्थायीत्व लाने, विश्वास पुनः कायम करने और वृध्दि को पुनर्जीवित करने के लिए निर्णयात्मक, समन्वित और व्यापक कदम उठाने के लिए प्रतिबध्दता जताई है. इस दृष्टिकोण का बाजार संभावनाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है.

1.1.1 संभावनाएं

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2009 में वैश्विक उत्पादन में 0.5 से 1.0 प्रतिशत की कमी आएगी. विश्व व्यापार संगठन ने भी वर्ष 2009 के दौरान वैश्विक व्यापार में 9% संकुचन का अनुमान लगाया है. अत:वैश्विक व्यापार में कमी का प्रभाव उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा.

1.2 भारतीय अर्थव्यवस्था - वित्तीय विघटन का सामना

यद्यपि भारतीय बैंकिंग / वित्तीय प्रणाली संयुक्त राज्य अमेरिका के सब-प्राइम मॉर्टगेज आस्ति संकट से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं थी फिर भी वैश्विक वित्तीय संकट की लहर का प्रभाव भारतीय अर्थ व्यवस्था और वित्तीय कार्य निष्पादन पर भी पड़ा. इससे वैश्विकरण के प्रभाव सामने आए. वर्ष 2003-08 के पांच वर्षों के दौरान 8.9 प्रतिशत की औसत वृध्दि दर हासिल करने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2008-09 में विकट रूप से उतार पर थी. किन्तु वैश्विक संकट के कारण वृध्दि में तीव्र रूप से कमी आ गई. गत सात वर्षों में पहली बार लगातार पहले पांच माह में (अक्तूबर 2008 से फरवरी 2009) निर्यात कम हुए. अक्तूबर 2008 से फरवरी 2009 के पांच माह के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक निष्क्रिय रहा और दो माह के लिए नकारात्मक रहा. सेवा क्षेत्र, जिसका गत पांच वर्षों में वृध्दि में प्रमुख योगदान था, फिर भी मंदी में फंस गया विशेषकर निर्माण, परिवहन, संप्रेषण, व्यापार और सत्कार क्षेत्रों में मंदी आई.

वर्ष 2007-08 में हुई 9.00 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2008-09 के पहले नौ महिनों में वास्तविक भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.9 प्रतिशत की वृध्दि हुई. वर्ष 2008-09 के पूर्ण वर्ष के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि सकल घरेलू उत्पाद की दर 6.5 प्रतिशत से 6.75 प्रतिशत के मध्य रहेगी. वर्ष दर वर्ष आधार पर 2.8 प्रतिशत की वृध्दि के साथ वर्ष 2008-09 (अप्रैल-फरवरी) के दौरान औद्योगिक क्षेत्र की वृध्दि दर काफी कम रही है. जबकि गत वर्ष की तदनुरूपी अवधि में यह दर 8.8 प्रतिशत थी. निवेश मांग में वृध्दि - सकल

DIRECTORS' REPORT 2008-09

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Financial Statements, Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2009.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1. MACRO ECONOMIC AND MONETARY ENVIRONMENT

1.1 Global Economy – an upheaval and the world in turmoil

The global financial and economic conditions remained turbulent during the year 2008-09. What started as a sub-prime mortgage sector crisis in the USA in 2007, intensified in September 2008 with the bankruptcy of Lehman Brothers. Although the sub-prime mortgage sector was the immediate cause of the crisis, the fundamental factor responsible for it was the persistence of large scale global imbalances created by loose monetary policy adopted by the major advanced economies. Availability of cheap money resulted in excessive leveraging and misallocation of resources, which fed the asset bubble in certain sectors of these economies. The financial crisis pushed the real world economy into the deepest recession since World War II.

The low nominal interest rates during the first half of the decade in major advanced economies led by the USA, encouraged aggressive search for higher yields and resulted influx of capital from the developed world to the emerging market economies (EMEs). With the liquidity crunch in the USA and other developed economies in September 2008, heavy reversal of capital flow and the accompanying liquidity crunch in the domestic currency, were witnessed in EMEs as well.

In recognition of the need to tackle this global crisis through global coordination and cooperation, the G-20 leaders in the meeting held in April 2009, committed themselves to take decisive, coordinated and comprehensive steps to revive growth, restore confidence and stability in the financial markets and institutions. The approach has had a positive impact on market perceptions.

1.1.1 Outlook

The International Monetary Fund (IMF) has estimated global output to shrink by 0.5 to 1.0 per cent in 2009. EMEs will not remain insulated from this global economic slump due to reduction in world trade, as the World Trade Organization (WTO) has projected a 9 per cent contraction in it during 2009.

1.2 Indian Economy – facing financial meltdown

Even though the Indian banking / financial system is not directly exposed to the US sub-prime mortgage assets, ripple effects of the global financial crisis also affected the Indian economic and financial performance. This brought to fore, the flip side of globalization. After clocking annual growth of 8.9 per cent on an average during the five years 2003-08, Indian economy was in for a cyclical downturn in 2008-09. But the drop in growth was sharper on account of the impact of the global crisis. For the first time in seven years, exports declined for five months in a row, from October 2008 to February 2009. The Index for Industrial Production (IIP) for the five months October 2008 to February 2009 has been stagnant, turning negative for two months. The Services sector, which has been a major contributor to growth in the past five years or so, has slowed down, particularly in construction, transport, communication, trade, hospitality etc.

Real Indian GDP grew by 6.9 per cent during the first nine months of 2008-09 as compared to 9.0 per cent in 2007-08. For the full year 2008-09, the Reserve Bank has projected GDP growth in the range of 6.5 to 6.75 per cent. Growth momentum of the industrial sector considerably slowed down during 2008-09 (April-February) with the year-on-year expansion of 2.8 per cent as compared to 8.8 per cent in the corresponding period of the previous year. The

Director Report.indd 7 6/13/2009 12:50:11 PM
www.reportjunction.com

घरेलू पूंजी गठन वर्ष 2008-09 (अग्रिम अनुमान) के दौरान 8.9 प्रतिशत रहा. जबकि 2007-08 (त्वरित अनुमान) में यह 12.9 प्रतिशत था. भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक ने संकट के प्रभाव को कम करने के लिए परस्पर परामर्श और सहयोग के साथ कार्य किया. पर्याप्त घरेलू और फोरेक्स तरलता बनाए रखते हुए वैश्विक वित्तीय संकट के संक्रामक रूप को रोकने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक ने नीतिगत उपाय किए. भारत सरकार ने दिसंबर 2008 और फरवरी 2009 में घरेलू उत्पादन और मांग को बढ़ाने और सुस्थिर मार्जिन को सुगम बनाने के लिए तीन प्रोत्साहन पैकेज लागू किए.

थोक मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई हेडलाइन मुद्रा स्फीति में वित्तीय वर्ष के पूर्वार्ध के दौरान भारी वृध्दि देखी गई और उत्तरार्ध में भारी कमी परिलक्षित हुई. भारी पूंजी बाह्यप्रवाह के उपरान्त तीसरी तिमाही में रुपया तरलता संकट के कारण गिरती हुई मांग के परिणामस्वरूप वर्ष 2008-09 के अन्त तक हेडलाइन मुद्रा स्फीति दर शून्य तक पहुंच गई. वित्तीय वर्ष के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक ने तरलता समायोजन पध्दति को कड़ा करने के स्थान पर सरल बना दिया. प्रारक्षित अनुपात और नीतिगत दरें कम की गईं. वित्तीय वर्ष के उत्तरार्ध में सीआरआर और रिपो रेट को 400 आधार अंकों से कम किया गया और एसएलआर में 100 आधार अंकों की कमी की गई. परिणामस्वरूप घरेलू तरलता में कमी अल्पकाल तक रही और सुविधाजनक तरलता स्थिति को पुन: कायम कर दिया गया.

1.3 घरेलू बैंकिंग परिदृश्य

दिनांक 27.03.2009 को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियां वर्ष 2008-09 के दौरान रु. 6,33,382 करोड़ से बढ़कर रु. 38,30,322 करोड़ की हो गई. इस प्रकार 2007-08 में हुई 22.4 प्रतिशत की तुलना में 19.8 प्रतिशत वृध्दि दर हासिल हुई. खाद्येतर ऋणों में वर्ष 2007-08 की तदनुरूपी अवधि में हुई 22.3 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में इस वर्ष वृध्दि 17.3 प्रतिशत पर कम रही. अक्तूबर 2008 की बाद की अवधि में ऋण की मांग संतुलित रही जबकि इस समय में सामान्य रूप से अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र मंदी में था. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित आंकड़ें दर्शाते हैं कि कृषि और उद्योगों को ऋण का प्रवाह विशेष रूप से सरकारी क्षेत्र के बैंकों से वर्ष 2008-09 में 27 फरवरी, 2009 को वर्ष 2007-08 की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक था. तथापि व्यक्तिगत ऋण और सेवाओं की ऋण वृध्दि दर में कमी आई है.

इसी अवधि के दौरान सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सब-पीएलआर उधारी (निर्यात ऋण और छोटे ऋणों को छोड़कर) के हिस्से में कमी देखी गई जो मार्च, 2008 में 75.9 प्रतिशत थे और दिसंबर 2008 में घटकर 71.5 प्रतिशत हो गए.

सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश 27.03.2009 को 20 प्रतिशत से बढ़ गया और रु. 1,94,031 करोड़ के स्तर तक पहुँच गया. जबकि गत वर्ष की तदनुरूपी अवधि में 22.8 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की गई थी. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश से जमा अनुपात 27.03.2009 को 30.43 प्रतिशत पर बना रहा.

1.4 घरेलू अर्थव्यवस्था हेतु संभावनाएं - चुनौतियां और अवसर

भारत बैंकिंग, वित्तीय और रियल चैनलों के माध्यम से अप्रत्यक्ष प्रभाव अनुभव कर रहा है. पूर्ण अप्रत्यक्ष प्रभाव अभी देखना बाकी है क्योंकि अर्थव्यवस्था की वृध्दि पर नकारात्मक डर अभी भी कायम है. भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2009-10 के दौरान भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में 6 प्रतिशत वृध्दि दर का अनुमान लगाया है. कठिन परिस्थितियों के उपरान्त भी भारतीय अर्थव्यवस्था, मजबूत वित्तीय संस्थानों और अच्छे कार्यरत बाजारों के साथ लचीली बनी रही. अन्य अधिकांश देशों की तुलना में देश की वृध्दि की संभावनाएं सकारात्मक हैं. प्रोत्साहित करने वाली बात यह है कि देश की अर्थव्यवस्था के मूल कारक मजबूत बने रहे हैं. अब बैंकिंग उद्योग के समक्ष सामूहिक चुनौती है कि अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों को विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को सुगम ऋण प्रवाह सुनिश्चित किया जाए जिसके कारण रोजगार, आय निर्माण तथा उपभोग के माध्यम से अर्थव्यवस्था में सुधार सुगम होगा. इस संकट ने बैंकिंग प्रणाली को वित्तीय सुविधाओं से वंचित और उपलब्ध संसाधनों का उत्पादक उपयोग करने की क्षमता वाले लोगों तक पहुँचने का अवसर दिया है.

भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2009-10 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियों में 18 प्रतिशत और ऋण में 20 प्रतिशत की संदर्भ वृध्दि दर दर्शायी है.

growth in investment demand – Gross Domestic Capital Formation (GDCF) – decelerated to 8.9 per cent in 2008-09 as compared to 12.9 per cent in 2007-08. The Government of India as well as the Reserve Bank of India acted in coordination and consultation to minimize the impact of the crisis. The Reserve Bank policy stance was aimed at containing the contagion from the global financial crisis while maintaining adequate domestic and forex liquidity. The central government launched three fiscal stimulus packages between December 2008 and February 2009 aimed at boosting domestic demands and productivity and facilitating sustainable margins.

On the price front, the headline inflation rate measured by the wholesale price index (WPI) showed sharp rise during the first half of the fiscal and witnessed a sharper fall in the second half. The head line inflation rate reached near zero level by the end of 2008-09 due to falling demand caused by the rupee liquidity crisis in the third quarter following heavy capital outflow. The RBI switched its liquidity adjustment mode from 'tightening' to 'easing' during the course of the fiscal. The reserve ratios and policy rates were pared. While CRR and Repo rate were reduced by 400 basis points each, SLR was reduced by 100 basis points in the second half of the year. Consequently, the domestic liquidity shortage was experienced only for a short period and the comfortable liquidity position was restored.

1.3 Domestic Banking Scenario

Aggregate deposits of Scheduled Commercial Banks (SCBs) increased by Rs. 6,33,382 crore during 2008-09 and stood at Rs. 38,30,322 crore as at 27.03.2009 showing a growth of 19.8 per cent as compared to 22.4 per cent recorded during 2007-08. The growth in non-food bank credit has been lower at 17.3 per cent than the 22.3 per cent growth in the corresponding period 2007-08. Demand for credit has moderated in the period subsequent to October 2008 when the economy in general and the industrial sector in particular had slowed down. The data published by the Reserve Bank of India mentions that credit flow to agriculture and industry, particularly from public sector banks was significantly higher in 2008-09 as of February 27, 2009 than in 2007-08. Credit growth in personal loan and services, however, had declined.

The Period has also witnessed a decline in the share of Sub PLR lending for all SCBs (excluding export credit and small loans) from 75.9 per cent in March 2008 to 71.5 per cent in December 2008.

Investments of SCBs in Government and other approved securities have grown by 20 per cent as of 27.03.2009 to reach the level of Rs. 1,94,031 crore as against 22.8 per cent growth recorded during the corresponding period in the previous year. The investments to deposit ratio of SCBs remained at 30.43 per cent as of 27.03.2009.

1.4 Outlook for Domestic Economy - of challenges and opportunities

India is experiencing the knock-on effect through banking, financial and real channels. The full knock-on effect is yet to be seen and the downward trend on economic growth continues. The Reserve Bank has projected Indian GDP growth rate for 2009-10 at around 6 per cent. Notwithstanding the difficult situation, the Indian economy remains resilient with well functioning markets and sound financial institutions. Growth prospects in the country are favourable compared to most other countries. What is encouraging is that the fundamentals of our economy continue to be strong. Now the collective challenge before the banking industry is to ensure smooth credit flow to all productive sectors of the economy, particularly micro, small and medium enterprises that would facilitate economic recovery through employment, income generation and consumption. The crisis provides an opportunity to the banking system to reach out to the financially excluded/marginalized who have the capability to make productive use of the available financial resources.

RBI has indicated a reference growth rate of 18 per cent in aggregate deposits and 20 per cent in credit of SCBs during the year 2009-10.

Director Report.indd 8 6/13/2009 12:50:11 PM
www.reportjunction.com

2. बैंक ऑफ महाराष्ट्र 2008-09 - सतत वृध्दि

वर्ष के दौरान बैंक अन्य वाणिज्यिक बैंकों के समान अधिकांश कारोबारी मानदण्डों पर कार्यनिष्पादन दर्शा सका.

2.1 कारोबार

बैंक का कुल कारोबार रु. 87,000 करोड़ के स्तर को पार कर 31.03.2009 को रु. 87,109 करोड़ का रहा. इस प्रकार 21.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई.

2.2 जमाराशियां

वर्ष के दौरान बैंक की कुल जमाराशियों में रु. 10,497 करोड़ की संतुलित वृध्दि हुई जिसके फलस्वरूप कुल जमाराशियां रु. 52,255 करोड़ की हो गई. इस प्रकार मार्च 2008 के स्तर रु. 41,758 पर 25.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई. समान अवधि में समग्र जमाराशियों में 25.59 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज हुई.

दिनांक 31.03.2009 को समग्र जमाराशियों में रु. 18,650 करोड़ की बचत व चालू जमाराशियों सहित मांग जमाराशियों का हिस्सा 35.69 प्रतिशत था जो उद्योग स्तर से काफी अधिक था.

2.3 ऋण अभिनियोजन

बैंक में उधारी नीति लागू है जो गुणनात्मक ऋण वृध्दि पर बल देती है. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी विभिन्न दिशानिर्देशें तथा भारत सरकार के प्राथमिकता क्षेत्र के मानदण्डों के अनुसार पूर्ण उधारी नीति तैयार की गई है. नीति में महत्व वाले क्षेत्र,जोखिम घटक का प्रतिपादन किया गया है और ऋणों की गुणात्मक वृध्दि के लिए विवेकी विगोपन सीमाओं को भी निर्धारित किया गया है.

सकल अग्रिम 31.3.2008 के रु. 29,798 करोड़ के स्तर से 16.84 प्रतिशत की वृध्दि के साथ बढ़कर 31.3.2009 को रु.34,817 करोड़ के हो गए.

दिनांक 31.3.2009 को ऋण जमा अनुपात 66.63 प्रतिशत था.

2.3.1 निधियों का क्षेत्रवार विनियोजन - विकेन्द्रीत जोखिम व संतुलित वृध्दि

बैंक का प्रयास रहा है कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न संवर्गों का वित्तपोषण करते समय सभी संवर्गों में ऋण वितरण सुनिश्चित करने की दृष्टि से विकेन्द्रीत ऋण संविभाग बनाए रखा जाए. बैंक ने अर्थव्यवस्था वृध्दि में योगदान देने वाले कोर, विनिर्माणी, प्राथमिकता क्षेत्र व उसी प्रकार बुनियादी संरचनात्मक सेक्टर को समर्थन देने के अपने प्रयास जारी रखे. राष्ट्रीय आर्थिक वृध्दि प्राथमिकताओं के प्रकाश में बैंक का इस प्रकार का कार्य भविष्य में भी जारी रहेगा.

अनु-क्रमांक	विनियोजित ऋण	31.03.2009 को बकाया रु करोड़ में	कुल बकाया ऋण से प्रतिशत
1	उद्योग	13189	37.88
	इसमें से		
	i अवसंरचनात्मक	3897	11.19
	ii रसायन, डाय व पेन्ट इत्यादि	1050	3.02
	iii पेट्रोलियम	931	2.67
	iv लोहा व स्टील	1135	3.26
	v कपड़ा	1159	3.33
	vi इंजिनियरिंग	1048	3.01
	vii अन्य उद्योग	3969	11.40
2	कृषि	5427	15.59
3	एमएसएमई	3074	8.83
4	अन्य प्राथमिकता क्षेत्र	4150	11.92
5	फुटकर क्षेत्र	4542	13.05
6	आवास	2959	8.50
7	शिक्षा	347	1.00
8	निर्यात	710	2.04
9	वाणिज्यिक भू-संपदा	1780	5.11

2. BANK OF MAHARASHTRA 2008-09 - consistent growth

During the year, the Bank has been able to show performance in tune with other commercial banks on most of the business parameters.

2.1 Business

The total business of the Bank crossed the level of Rs. 87,000 crore and stood at Rs.87,109 crore as on 31.03.2009 registering a growth of 21.74 per cent.

2.2 Deposits

There was a robust deposit growth of Rs.10,497 crore during the year due to which the total deposits of the Bank rose to Rs. 52,255 crore, up by 25.74 per cent over the level of Rs.41,758 crore as at the end of March 2008. Aggregate deposits recorded a growth of 25.59 per cent over the same period.

Demand deposits, consisting of current and savings account (CASA) deposits, stood at Rs.18,650 crore, constituting 35.69 per cent of aggregate deposits as of 31.03.2009, which is well above industry average.

2.3 Credit Deployment

The Bank has put in place a lending policy with an emphasis on qualitative credit growth. The policy is fully in conformity with the guidelines issued by RBI and also the Priority Sector lending norms of the Government of India. The policy enunciates the thrust areas, risk factors and also sets out prudential exposure limits to facilitate qualitative expansion of credit.

The Gross Advances increased from Rs.29,798 crores as on 31.3.2008 to Rs. 34,817 crores as on 31.3.2009 with a growth of 16.84 per cent.

The Credit Deposit Ratio as on 31.3.2009 was 66.63 per cent.

2.3.1 Sectoral deployment of credit - diversified risk and balanced growth

While financing the various segments of the economy, the Bank has endeavoured to maintain a diversified credit portfolio, with a view to ensuring credit-dispersion across sectors. The Bank has continued its efforts to support core, manufacturing and priority sectors as well as infrastructure projects, which serve to drive economic growth. This focus of the Bank will continue in future, in the light of the national economic growth priorities.

Sr. No.	Credit deployed	31.03.2009 Outstanding Rs. In crore	Percentage to total credit outstanding
1	Industry	13189	37.88
	Of which		
	i Infrastructure	3897	11.19
	ii Chemicals, Dyes, Paints etc	1050	3.02
	iii Petroleum	931	2.67
	iv Iron & Steel	1135	3.26
	v Textiles	1159	3.33
	vi Engineering	1048	3.01
	vii Other Industries	3969	11.40
2	Agriculture	5427	15.59
3	MSME	3074	8.83
4	Other priority sectors	4150	11.92
5	Retail sector	4542	13.05
6	Housing	2959	8.50
7	Education	347	1.00
8	Exports	710	2.04
9	Commercial real estate	1780	5.11

Director Report.indd 9 6/13/2009 12:50:12 PM
www.reportjunction.com

2.3.2 ऋण प्रशासन और निगरानी - आस्ति गुणवत्ता प्रबंधित करना

उधार खातों में पूर्व चेतावनी संकेतों के अभिनिर्धारण की प्रणाली लागू है. विशेष रूप से उल्लेखित खाते, जिनके संबंध में पूर्व चेतावनी संकेत प्राप्त हुए हैं, की निगरानी कर इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुपालन में सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं ताकि इन खातों की अर्जक स्थिति को बनाए रखा जा सके.

ऋण गुणवत्ता में सुधार, ऋण प्रशासन, मंजूरी प्रक्रिया की समीक्षा, विनियमनकारी अनुपालन और ऋण जोखिम मूल्यांकन की स्वतंत्र समीक्षा, ऋण लेखा परीक्षा के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है.

बैंक के पास क्रिम प्रणाली में सभी उधार खातों का व्यापक डाटा आधार है, जो कि एक महत्वपूर्ण प्रबंध सूचना प्रणाली है. इन सूचनाओं का उपयोग आय अभिनिर्धारण और आस्ति वर्गीकरण मानदंडों के अनुसार आस्ति वर्गीकरण करने व प्रावधान करने, ऋण निगरानी, भावी अनर्जक खातों के अभिनिर्धारण, अनर्जक आस्ति प्रबंधन में किया जाता है.

2.4 आस्ति निष्पादन - सुधार

प्रतिशत रूप में सकल अग्रिमों से सकल अनर्जक आस्तियों का स्तर 31.3.2008 के 2.57 से सुधर कर दिनांक 31.3.2009 को 2.29 प्रतिशत हो गया और निवल एनपीए अनुपात 31.3.2008 के 0.87 प्रतिशत से सुधर कर दिनांक 31.3.2009 को 0.79 प्रतिशत हो गया. दिनांक 31.3.2009 को एनपीए कवरेज 63.16 प्रतिशत था.

अतिदेयताओं की वसूली हेतु चूककर्ता उधारकर्ताओं के साथ गहन अनुवर्तन, SARFAESI अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रतिभूति प्रवर्तन का प्रभावी कार्यान्वयन, जटिल अनर्जक अग्रिमों में ऋण वसूली अभिकरण कक्षों के माध्यम से वसूली की प्रक्रिया में तेजी, सुरक्षित आस्तियों की वसूली के लिए ऋण वसूली अभिकरण से प्राप्त वसूली प्रमाणपत्रों का शीघ्र निष्पादन, व्यापक वसूली नीति के दिशानिर्देशों का कार्यान्वयन इत्यादि के परिणामस्वरूप अनर्जक खातों में रु. 210.53 करोड़ की नकद वसूली हुई इसमें से लेजर शेष में वसूली रु. 152.31 करोड़ की हुई

2.5 विदेशी मुद्रा कारोबार और निर्यात वित्त

वर्ष के दौरान बैंक ने गत वर्ष के रु. 14,244 करोड़ की तुलना में रु. 16,281 करोड़ का व्यापारी आवर्त हासिल किया. जो गत वर्ष पर 14.30 प्रतिशत की वृध्दि दर्शाता है. निर्यात व्यापार और आवक प्रेषण रु. 9,295 करोड़ के रहे, जो कुल व्यापारी कारोबार का 57.09 प्रतिशत हिस्सा है. जबकि आयात और जावक प्रेषण रु. 6,986 करोड़ के रहे. 31.03.2009 को बकाया निर्यात ऋण रु. 711 करोड़ के रहे. ग्राहकों की विदेशी मुद्रा की बढ़ती हुई मांग को बैंक ने स्वयं के साधनों से और विदेशी प्रतिनिधि बैंको से रु 50.72 करोड़ की ऋण सुविधा लेकर पूरा किया. 31.03.2009 को बैंक के 28 विदेशी मुद्रा केन्द्र हैं. आयातकों और निर्यातकों के लाभार्थ बैंक ने सेमिनार आयोजित किए.

2.6 निवेश - लाभप्रद वृध्दि

दिनांक 31.03.2009 को बैंक के निवेश 31.03.2008 के रु. 12283 करोड़ की तुलना में रु. 18382 करोड़ के रहे. इस प्रकार 49.66 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज हुई. 70.00 प्रतिशत निवेश परिपक्वता तक धारित, 29.27 प्रतिशत निवेश विक्रय हेतु उपलब्ध श्रेणी और शेष 0.73 प्रतिशत व्यापार हेतु धारित श्रेणी में रखे गए. गत वर्ष के दौरान निवेशों पर हुई निवल ब्याज आय रु. 845.85 करोड़ से बढ़कर रु. 989.84 करोड़ हो गई.इस प्रकार 17.02 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज हुई.

2.7 अब्याजी आय – सुस्थिर वृध्दि

अब्याजी आय में वृध्दि के लिए बैंक ने प्रयास जारी रखे. वर्ष 2007-08 में हुई अब्याजी आय रु. 380.28 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2008-09 में रु. 500.02 करोड़ की हो गई. इस प्रकार 31.48 प्रतिशत की वृध्दि दर दर्ज की गई. अब्याजी आय का 35 प्रतिशत हिस्सा ट्रेजरी

2.3.2 Credit Administration and Monitoring – managing asset quality

A system of identifying early warning signals in borrowal accounts is in place. The Special Mentioned Accounts, in respect of which early warning signals are detected, are monitored and corrective action is initiated to maintain Performing Asset status of these accounts in compliance with RBI guidelines in this regard.

Improvement in the credit quality, credit administration, review of sanction process, regulatory compliance and independent review of Credit Risk Assessment are ensured through Credit Audit process.

The Bank has a comprehensive database of all borrowal accounts in CREAM System, which is also an important management information systems for asset classification and provisioning as per Income Recognition and Asset Classification (IRAC) norms, credit monitoring, identification of potential NPAs and NPA management.

2.4 Asset Performance - improved

The ratio of Gross NPAs to Gross Advances has improved from 2.57 percent as on 31.3.2008 to 2.29 per cent as on 31.3.2009. The ratio of Net NPAs has improved from 0.87 per cent at 31.3.2008 to 0.79 per cent at 31.3.2009. NPA coverage stood at 63.16 per cent as on 31.3.2009.

The Bank achieved a total cash recovery of Rs. 210.53 crore of NPAs during the fiscal 2008-09, of which, recovery in ledger balance is Rs.152.31 crore. This was possible due to intensive follow up of defaulting borrowers for recovery of over dues; effective implementation of enforcement of security provisions as per SARFAESI Act; focused efforts to speed up recovery process in chronic NPAs; prompt execution of Recovery Certificates obtained from DRTs for realization of the secured assets.

2.5 Foreign Exchange Business and Export Finance

The Bank achieved a Merchant Turnover of Rs. 16,281 crore during the year as against Rs.14,244 crore during the previous year indicating a rise of 14.30 per cent over the previous year. While Exports and Inward Remittances accounted for Rs. 9,295 crore i.e. 57.09 percent of the total merchant business, Imports and Outward Remittances accounted for Rs. 6,986 crore of the turnover. Export Credit outstanding as on 31.03.2009 was Rs. 711 crore. The demand for foreign currency funds from customers was met by the Bank from its own sources as well as by availing Line of Credit from foreign correspondent banks to the tune of Rs 50.72 crore. The Bank has 28 Foreign Exchange Centres as on 31.03.2009. The Bank has been conducting seminars for the benefit of Exporters and Importers.

2.6 Investments – profitable growth

The Net investments of the Bank stood at Rs.18382 crore as on 31.03.2009 as against Rs.12283 crore as on 31.03.2008, registering a growth of 49.66 per cent. 70.00 per cent of the portfolio was held under Held to Maturity (HTM) category, 29.27 per cent in Available For Sale (AFS) and balance 0.73 per cent in Held for Trading (HFT) categories. The net interest income from investment increased by 17.02 per cent to Rs.989.84 crore from Rs. 845.85 crore during the last year.

2.7 Non Interest Income - steady growth

The Bank continued its focus on enhancing non-interest income. Non-interest income has risen to Rs. 500.02 crore during 2008-09 from Rs. 380.28 crore during 2007-08, registering a growth of 31.48 per cent over 2007-08. The treasury operations have contributed about 35 per cent of the

Director Report.indd 10 6/13/2009 12:50:13 PM
www.reportjunction.com

परिचालनों से कमाया गया है . बैंक, आय में अधिक वृद्धि करने हेतु नये साधनों की खोज कर रहा है और बैंक बीमा तथा म्यूच्यूअल फंड वितरण व सरकारी कारोबार का समेकन कर रहा है. कमीशन एक्सचेंज व दलाली आय 23.70 प्रतिशत से बढकर रु. 248.83 करोड़ की हो गई.

2.8 व्यापारी बैंकिंग – नियंत्रित गतिविधि

वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 3601 करोड़ के कमर्शियल पेपर के 41 निर्गमों का संचलन किया और निर्गम के बैंकर के रूप में एक राइट निर्गम का संचलन भी किया.

2.9 निक्षेपी सेवाएं – अग्रसर

बैंक सितंबर 1999 से ही भारतीय केन्द्रीय निक्षेपी सेवाएं लिमिटेड (सीडीएसएल) का निक्षेपी सहभागी है. **महानेट** के स्थापित होने के साथ 131 अभिनिर्धारित शाखाओं के माध्यम से नामे अनुदेशों का सीधा अभिसंस्करण करने के अनुदेशों को स्वीकार किया गया. डीमैट खातों में शेष इत्यादि जैसे पूछताछ स्तरीय प्रश्नों की जानकारी बैंक की सभी 131 वैन सक्षम शाखाओं में उपलब्ध है. इन्टरनेट के माध्यम से खाते की स्थिति देखने के लिए बैंक मुफ्त में (सीडीएसएल के माध्यम से) ऐसी सुविधा उपलब्ध कर रहा है. महाबैंक जनसंपर्क केन्द्रों पर प्रश्न अनुपालन सुविधा सुबह 7.00 बजे से रात 11.00 बजे तक उपलब्ध है. निकट भविष्य में बैंक अपने ग्राहकों के लिए ऑनलाईन ट्रेडिंग सुविधा उपलब्ध करना चाहता है.

2.10 बैंक-बीमा

कारपोरेट एंजेसी समझौते के अन्तर्गत बैंक की सभी शाखाएं यूनाईटेड इंडिया इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड और भारतीय जीवन बीमा निगम के जीवन बीमा व गैर जीवन बीमा उत्पादों का विक्रय करने हेतु प्राधिकृत हैं. बैंक ने वर्ष के दौरान 82,250 सामान्य बीमा और 15,652 जीवन बीमा पॉलिसियाँ बेचीं. भारतीय जीवन बीमा ने अच्छे कार्य निष्पादन के कारण बैंक की 36 शाखाओं को ''बीमा बैंक'' और एक शाखा को ''उत्कृष्टता का केन्द्र'' घोषित किया.

बैंक ने जीवन बीमा सुरक्षा और उसी प्रकार ऋण जोखिम कम करने के लिए वहन करने योग्य लागत पर सभी प्रकार के जमा धारकों के लिए महा सुरक्षा जमा योजना व आवास ऋणकर्ताओं के लिए महा गृह सुरक्षा योजना नामक दो समूह बीमा योजनाएं भी आरंभ की हैं.

2.11 म्युचुअल फण्ड गतिविधि

बैंक अपनी सभी शाखाओं में 15 चुनिंदा म्युचुअल फण्डों में निवेश की सुविधा ग्राहकों को दे रहा है.

2.12 क्रेडिट कार्ड

बैंक अपनी सभी शाखाओं के माध्यम से वर्ष 1991 से मास्टर कार्ड के सहयोग से यह कारोबार कर रहा है . 31.03.2009 को कार्ड आधार 72,504 का था.

2.13 नेटवर्थ

बैंक की निवल वर्थ 31.03.2008 के रु.1480.57 करोड़ की तुलना में 31.03.2009 को बढ़कर रु. 1710.79 करोड़ की हो गईं जो मुख्यत: लाभ को पुनर्लेखांकित करने के कारण बढ़ी.

2.14 पूंजी पर्याप्तता अनुपात

दिनांक 31.03.2009 को बेसल II मानदंडों के अनुसार बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदंड 9 प्रतिशत की तुलना में 12.05 प्रतिशत का रहा. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 6 प्रतिशत की तुलना में टीयर I पूंजी पर्याप्तता अनुपात 6.11 प्रतिशत रहा.

non interest income. The Bank has been looking at new avenues to shore up its income and has consolidated its bancassurance, mutual fund distribution and Government business. Commission, exchange and brokerage income increased by 23.70 per cent to Rs. 248.83 crore.

2.8 Merchant Banking – subdued activity

The Bank handled 41 issues of Commercial Papers amounting to Rs.3601 crore during the year. The Bank also handled one rights issue as Banker to the issue.

2.9 Depository Services - moving forward

The Bank is a Depository Participant (DP) of Central Depository Services India Ltd. (CDSL) since September 1999. With the establishment of MAHANET, direct processing of debit transactions are accepted at 131 branches. Account level queries relating to demat account balances, etc. are available at all the 131 identified WAN enabled branches of the Bank. The Bank also provides free "EASY" facility (through CDSL) to view account position through Internet. Query compliance facility is available at Mahabank Facilitation Centre from 7.00 am to 11.00 pm. The Bank proposes to facilitate online trading for its customers in the immediate future.

2.10 Bancassurance

All the branches of the Bank are authorized to sell life insurance products of LIC of India and Non-Life insurance products of United India Insurance Co. Ltd. under the corporate agency arrangements. The Bank sold 82,250 general insurance and 15,652 life insurance policies during the year. The LIC declared 36 branches of the Bank as 'Bima Bank' and one branch of the Bank as 'Centre of Excellence' for their performance.

The Bank has introduced two group insurance schemes namely, Maha Suraksha Deposit Scheme for all deposit account holders and Maha Grih Suraksha for those availing Home Loans to facilitate life cover as also to mitigate credit risk at very affordable cost.

2.11 Mutual Fund Activity

The customers of the Bank have choice of investing in schemes of 15 select Mutual Funds at all the branches of the Bank.

2.12 Credit Card

The Bank has been in business of credit card in affiliation with Master Card since 1991 through all branches. The card base as on 31.03.2009 was 72,504.

2.13 Networth

Net worth of the Bank has improved from Rs.1480.57 crore as on 31.03.2008 to Rs.1710.79 crore as on 31.03.2009, mainly due to plough back of profits.

2.14 Capital Adequacy Ratio

As on 31.03.2009, in terms of Basel II norms, the Capital Adequacy Ratio stood at 12.05 percent as against the minimum stipulated norm of 9 per cent prescribed by RBI. The Tier I capital adequacy ratio stood at 6.11 per cent as against RBI's prescription of 6 per cent.

Director Report.indd 11 6/13/2009 12:50:15 PM
www.reportjunction.com